ISSN : 2583-2948

औरत

प्रो. नीलू गुप्ता विद्यालंकार
कैलिफ़ोर्निया(अमेरिका)
ईमेल nilugupta@yahoo.com
guptanilu@fhda.edu
व्हाट्सअप +15105575120

औरत क्या है, बेटी भी है बेटा भी है

शक्ति का स्त्रोत है, शक्ति पुंज भी है

हाथ कंगन को आरसी क्या

पढ़ें लिखें को फ़ारसी क्या

साइना ने आइना सबको दिखला दिया

क्या है औरत की शक्ति अच्छे अच्छों को बतला दिया

क्या औरत चमकते मोतियों की लड़ी है

या औरत झरते आँसुओं की लड़ी है

सच पूछो तो औरत चमचमाते हीरे की कणी है

जिससे जगमगाती ये विशाल दुनिया जुड़ी है

ISSN : 2583-2948

दोष काँटों का नहीं,

जग की रीत सदा से ही चली आई

दोष अपने नहीं दूसरों के देते दिखाई

दोष दूसरों के सिर मंढना अति सरल

दोष अपने सिर मढें,होगा कोई विरल

दोष काँटों का नहीं,काँटे रहते अपनी डगर

जाने अनजाने हम ही रखते पैर उनके ऊपर

काँटों से घिरे गुलाब खिलते जग महकाते

काँटे भला कहाँ राह में रोड़ा अटकाते

काँटे अपनी रक्षा में तल्लीन, सजग प्रहरी

जागें दिन और रात, जागें भरी दुपहरी

जग में आए हैं,आओ मिल कुछ कर जाएँ

अवगुण अपने पहचाने,चलो जग महकाएँ

anukarsh@alliance.edu.in